भारत की सभी समस्याओं का अन्त

सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

इंजीनियर प्राइवेट

समस्या इंजीनियर प्राइवेट

1. आज हमारे भारत मे । इंजीनियर बनना । बुध्दिमत्ता की निशानी है । जो कठिन पढ़ाई के बाद । इंजीनियर बनने का । सपना पूरा होता है ।
2. आज हमारे देश मे । हर विषय की पढ़ाई होती है । लेकिन सदाचार के विषय की । पढ़ाई नही होती है ।
3. यदि थोडी बहुत होती भी है । तो पढ़े लिखे समझदार लोग । सदाचार के उपयोग को । जीवन मे अमल मे नही लाते ।
4. क्योंकी । अधिक से अधिक धन कमाने के लिए । सदाचार नियमों को ताक पर रख कर ही । अधिक से अधिक धन कमाया जा सकता है ।
5. प्राइवेट इंजीनियरों की । देश के जन कल्याण के लिए । बडे बडे प्रोजेक्टों की निगरानी की जिम्मेदारी होती है । ताकि जन कल्याण के साथ । जन धन । की हानि को भी रोका जा सके ।
6. लेकिन हमारे । प्राइवेट इंजीनियर सदाचार के नियमों को । ताक मे रख कर । लालच और स्वार्थ के वशीभूत होकर । प्रोजेक्ट के । घटिया निर्माण को । रिस्वत लेकर मंजूरी दे देते है ।
7. जिसके कारण प्रोजेक्ट निर्माण । समय से पहले धाराशाई हो जाता है । जिसके कारण बहुत से । बेगुनाह लोग मारे जाते है । प्रोजेक्ट निर्माण समय से पहले । धाराशाई होने पर । जन धन दोनो की हानि होती है ।
8. प्राइवेट इंजीनियरों के सदाचार के नियमों को ताक मे रख कर । लालच और स्वार्थ के वशीभूत होकर । प्रोजेक्ट के घटिया निर्माण को रिस्वत लेकर मंजूरी देने पर । जन धन दोनो की हानि रोकना अति आवस्यक है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जीसियो नियम से समाधान उपाय

1. पी कार्ड धारक छात्र । इंजीनियरिंग पास करके । इंजीनियरिंग करने के लिए । ई कार्ड । यानी इंजीनियरिंग कार्ड मिलेगा ।
2. प्राइवेट इंजीनियर के ई कार्ड मे । इंजीनियरींग के शिक्षा का । पूरा ब्योरा अंकित होगा ।
3. प्राइवेट इंजीनियर ई कार्ड मे अंकित इंजीनियर को । किसी भी प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी मिलेगी ।
4. प्राइवेट इंजीनियर ई कार्ड मे अंकित इंजीनियर को । किसी भी प्रोजेक्ट को पूरा करने का । वेतन य मेहनताना मिलेगा ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

सिस्टम चेन्ज

इंजीनियर प्राइवेट

5. प्राइवेट इंजीनियर को । किसी भी इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट को । ई कार्ड मे अंकित ही पूरा करना होगा ।
6. प्राइवेट इंजीनियर के ई कार्ड मे । किसी भी और व्यापार का व्योरा अंकित नही होगा ।
7. प्राइवेट इंजीनियर के ई कार्ड मे । सिर्फ इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट का व्योरा अंकित ही होगा ।
8. प्राइवेट इंजीनियर को । सरकारी इंजीनियरिंग नौकरी मिलने पर । ई कार्ड भारत सरकार मे । जमा करना होगा ।

1. <u>प्राइवेट ई कार्ड धारक इंजीनियर के सामने । यदि रिस्वत के रूप मे । भारत की पूरी सम्पत्ती रख दी जाये । किसी घटिया प्रोजेक्ट को पास करने के लिए ।</u>
2. <u>तो भी प्राइवेट ई कार्ड धारक इंजीनियर । रिस्वत लेकर घटिया प्रोजेक्ट को पास नही कर सकता ।</u>

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L